

PAPER-III
HUMAN RIGHTS AND DUTIES

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____
(Name) _____
2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 9 2 1 1

Time : 2 1/2 hours]

[Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 19

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
- Read instructions given inside carefully.
- One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि वे पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

HUMAN RIGHTS AND DUTIES

मानव अधिकार एवं कर्तव्य

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थी इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार दें ।

SECTION – I

खंड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. “Values” have only the contextual relevance of the Concept of Human Rights. – Discuss.

मानवाधिकारों की अवधारणा के प्रति “मूल्यों” की सिर्फ प्रसंगाधीन प्रासंगिकता है – विवेचना करें ।

OR / अथवा

Discuss the compensatory justice developed by the National Commission for Human Rights.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा विकसित प्रतिकरात्मक न्याय की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Throw light on the judicial expansion of the Right to life under the Indian Constitution.

भारतीय संविधान के अंतर्गत जीवन के अधिकार के न्यायिक विस्तार पर प्रकाश डालें ।

-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
-
2. Discuss the contribution of J.S. Mill in the formation of the concept of 'Liberty'.
स्वाधीनता की अवधारणा के निर्माण में जे.एस. मिल के योगदान की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Discuss the problems of "Child Labour" and "Child Work" with human rights perspective.

मानवाधिकारों के परिप्रेक्ष्य के साथ "बाल श्रम" और "बाल कार्य" की समस्याओं की विवेचना करें ।

OR / अथवा

Explain the changing dimensions of the Human Rights of Minorities in India.

भारत में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों के बदलते आयामों को स्पष्ट करें ।

SECTION – II

खंड – II

Note : This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each, each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Discuss three tier approach being developed to promote and protect human rights through Third Generation of Rights.
अधिकारों की तीसरी पीढ़ी के जरिये मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनका संरक्षण करने हेतु विकसित किए जा रहे तीन स्तरीय उपागम की विवेचना करें ।
4. Write an essay on “Judicial Review”
भारतीय संविधान के अंतर्गत “न्यायिक पुनरावलोकन” पर निबन्ध लिखें ।
5. Explain the role of Convention on Elimination of all forms of Discrimination Against Women in protection and promotion of human rights education.
मानवाधिकारों की शिक्षा के संरक्षण और संप्रवर्तन में स्त्रियों के विरुद्ध सर्वरूपी भेदभाव विलोपन अभिसमय की भूमिका की व्याख्या करें ।

SECTION – III

खंड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks each, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is Rajniti ? Discuss the unrepresentative character of politicians with reference to human rights.

“राजनीति” क्या है ? मानवाधिकारों के सन्दर्भ में राजनीतिज्ञों के अप्रतिनिधित्ववादी व्यवहार की विवेचना करें ।

7. Throw light on the special features of the Universal Declaration of Human Rights.
मानवाधिकारों की सार्वत्रिक घोषणा के विशेष लक्षणों पर प्रकाश डालें ।

8. How does the concept of cultural exceptionalism pose challenge to human rights discourse ?

सांस्कृतिक भिन्नता की अवधारणा किस प्रकार मानवाधिकारों की वार्ता को चुनौति देती है ।

9. Define "Prisoners of War".
"युद्ध कैदी" की परिभाषा दें ।

10. Discuss the Constitution of European Commission on Human Rights.
यूरोपियन मानवाधिकार आयोग के संविधान की विवेचना करें ।

11. Explain the problems in globalisation of human rights.

मानवाधिकारों के वैश्वीकरण में समस्याओं को स्पष्ट करें ।

12. Discuss the role of non – governmental organisations in promotion and protection of human rights.

मानवाधिकारों के प्रवर्तन और संरक्षण में गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका की विवेचना करें ।

13. What are the fundamental duties enshrined in the Indian Constitution.

भारतीय संविधान में प्रतिष्ठापित मौलिक कर्तव्य क्या हैं ?

14. Write an essay on the criminal justice system in India vis-a-vis Human Rights.

भारत में आपराधिक न्याय व्यवस्था बनाम मानवाधिकार पर निबन्ध लिखें ।

SECTION – IV

खंड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है ।

(5 × 5 = 25 अंक)

Human rights have been promoted through the development of international agreements. These international documents frequently contain general, competing or idealistic statements. Have some human rights been realistically interjected into world politics from these documents ? To what extent has the “law on the books” become The “law in action”? What is the nature of the process that seeks to translate the norms from paper to behaviour ? In sum, now that human rights have been promoted through legal standards, to what degree have human rights been protected in fact ?

We must first clarify our expectations about international human rights norms (law). If we take ten of the most important international instruments of human rights, we find that there is an array of measures available for the formal implementation of human rights. The international area is the most obvious area for promotion of human rights. It is there in forums such UN bodies concerned with human rights such as General Assembly and subsidiary bodies, Economic and Social Council, Commission on Human Rights, Sub – Commission on prevention of Discrimination and Protection of minorities; implementation mechanisms: Human Rights Committee, Committee on the Elimination of Racial Discrimination. Regional instruments in the field of human rights ; Charter of the organisation of African Unity, Inter – American Commission on Human Rights, Inter – American Court of Human Rights, European Court of Human Rights, etc. have professed adherence to fundamental freedoms. It is there that they have agreed to hold each other accountable in maintaining certain standards. It is there, as elsewhere, that some progress is being made.

There is still a Considerable gap between Standard – setting and implementation of international norms in the field of human rights. International organizations can not proceed further than their member states permit. In universal organization there are vast differences between Western countries, Socialist countries and the Third world where the notion of human rights is concerned. The western tradition may be characterized by professor Louis Henkin’s definition : “Human rights are the demanded and recognized rights against the society represented by the government and its civil servants”. The Socialist tradition may be characterized by Vladimir Kudrjartsev’s definition. The opportunity guaranteed by the State to enjoy social benefits and values in a certain society”.

There are also differences of priority given to some groups of rights. The western tradition has tended to emphasize political and civil rights, whereas the Socialist countries and Third world have stressed economic, social and cultural rights.

नीचे दिये हुए परिच्छेद को पढ़िए और परिच्छेद के बारे में अपनी समझ के आधार पर प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये :
मानवाधिकारों को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के विकास के जरिये प्रवर्तित किया गया है । इन अंतर्राष्ट्रीय प्रलेखों में अक्सर सामान्य, प्रतियोगी अथवा आदर्शवादी कथन दिये गये होते हैं । यदि इन प्रलेखों से कुछ मानवाधिकारों को असल में विश्व राजनीति के बीच डाल दिया जाता । “पुस्तकों पर विधि” किस हद तक “क्रियागत विधि” बन गया है ? उस प्रक्रिया का स्वरूप क्या है जो मानकों को कागजों से व्यवहार तक बदलने की चेष्टा करती है ? कुल मिलाकर, क्योंकि अब मानवाधिकारों को विधिक मानकों के जरिये प्रवर्तित किया गया है, किस हद तक मानवाधिकार वास्तव में संरक्षित किये गये हैं ?

हमें सर्वप्रथम अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों (विधि) के बारे में अपनी प्रत्याशाओं को स्पष्ट करना चाहिये । यदि हम मानवाधिकारों के दस सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय लिखतों को लेते हैं, तो हम पाते हैं कि मानवाधिकारों के औपचारिक क्रियान्वयन के लिये उपायों का क्रम विन्यास उपलब्ध है । मानवाधिकारों के प्रवर्तन के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र सर्वाधिक सुव्यक्त क्षेत्र है । इन मंच / सभाओं जैसे संयुक्त राष्ट्र निकायों जो कि मानवाधिकारों के साथ सरोकार रखते हैं जैसे कि महासभा और सहायक निकाय जैसे आर्थिक एवं सामाजिक परिषद, मानवाधिकारों पर आयोग, अल्पसंख्यकों के संरक्षण और भेदभाव निवारण पर उप-आयोग; क्रियान्वयन क्रियाविधियां; मानवाधिकार समिति, प्रजातीय भेदभाव उन्मूलन पर समिति में मानवाधिकारों से सरोकार होता है । मानवाधिकारों के क्षेत्र में क्षेत्रीय लिखत; अफ्रीकी एकता संगठन का चार्टर, अंतःअमेरिकन मानवाधिकार आयोग, अंतर्अमेरिकन मानवाधिकार न्यायालय, इत्यादि ने मौलिक स्वतन्त्रताओं के प्रति समर्थन प्रदर्शित किया है । यहाँ ही, वे कुछ मानकों को बनाये रखने में एक दूसरे को जिम्मेदार ठहराने के लिये सहमत हुए हैं । यहाँ ही, जैसे कि अन्य जगहों पर, कुछ प्रगति की जा रही है ।

अभी भी, मानवाधिकारों के क्षेत्र में, मानक-निर्धारण और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के क्रियान्वयन के बीच विशाल अंतराल है । अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को उनके सदस्य राष्ट्र जितना आगे बढ़ने देते हैं उससे आगे नहीं बढ़ सकते हैं । सार्वभौम संगठन में, पश्चिमी देशों, समाजवादी और तृतीय विश्व जहां मानवाधिकारों की धारणा से सरोकार रहता है, के बीच विशाल अन्तर है । पश्चिमी परम्परा को प्रोफेसर लुइस हैंकिन्स की परिभाषा : “मानवाधिकार, सरकार और उसके नागरिक सेवकों द्वारा निरूपित समाज के विरुद्ध मांगे और मान्यता प्राप्त अधिकार हैं,” द्वारा विशेषित किया जा सकता है ।

समाजवादी परम्परा को व्लादिमीर कुदरिजावसेव की परिभाषा : “किसी समाज में सामाजिक लाभ और मूल्यों का लाभ लेने के लिये राज्य द्वारा प्रत्याभूत अवसर”, द्वारा विशेषित किया जा सकता है ।

अधिकारों के कुछ समूहों को प्रदत्त प्राथमिकता के अन्तर भी हैं । पश्चिमी परम्परा राजनीतिक और नागरिक अधिकारों पर बल देती है जब कि समाजवादी देश और तृतीय विश्व ने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर जोर दिया है ।

15. What is a requisite necessary for the purpose to promote human rights ?

मानव अधिकारों के प्रोत्साहन हेतु क्या आवश्यकताएँ हैं ?

17. Mention the mechanism required to ensure balance between the agencies involved in promotion and protection of Human Rights.

मानवाधिकारों के प्रवर्तन और संरक्षण से जुड़ी एजेंसियों के बीच साम्य सुनिश्चित करने के लिये अपेक्षित यंत्रावली (या क्रियाविधि) बताइये ।

18. Mention the western philosophy of Human Rights and how it differs from the eastern philosophy.

मानवाधिकारों का पश्चिमी दर्शन बताएँ और किस प्रकार यह पूर्वी दर्शन से भिन्न है बताइये ।

19. Name the norms required to ascertain for the purpose to promote human rights through legal standards.

मानवाधिकारों को विधिक मानकों के जरिये प्रवर्तित करने के उद्देश्य से जिन मानकों को ज्ञात करने की आवश्यकता है उनके नाम बताएँ ।

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation)

Date